AERIAL PHOTOGRAPHS
PART 1
PG SEMESTER- CC-9
UNIT-IV

By
PROF. SANJAY KUMAR
MAHARAJA COLLEGE, ARA

परिचय

- वायु फोटोग्राफी का जन्म 1839 से माना जाता है।
- किन्तु 1858 में टुर्नाचन नामक परसियन फोटोग्राफर ने पहली बार एक वायु फोटोचित्र खींचा।
- 1858 में फ्रांस के लूसिडाल्ट ने धरातलीय सर्वेक्षण के लिए पहली बार बैलून फोटोग्राफी का प्रयोग किया।
- 1882 में आर्कीबाल्ड नामक वैज्ञानिक ने पतंग की सहायता से वायु फोटोचित्र खींचा।
- 1909 में पहली बार कैमरा प्लेटफार्म के रूप में वायुयान का प्रयोग विल्वर राईट के साथ उडान भरकर एक फोटोग्राफर ने इटली की नौसेना के लिए एक चलचित्र बनाया था।

परिचय

- सामान्यतः वायुयान में बैठकर ऊपर की ओर से खींचे गए धरातल के लंबवत् या तिरछे फोटो को वायु या आकाशीय फोटोचित्र कहा जाता है।
- An aerial photograph is a picture, either vertical or oblique , taken from the air with a camera mounted or handheld , on an aircraft or a similar vehicle.

वायु फोटोचित्र के प्रकार

- वायु फोटोचित्र के प्रकार का संबंध कैमरे की स्थिति या कोण एवं वायुयान में लगे कैमरे की संख्या से है।
- कैमरे की स्थिति या कोण के आधार पर वायु फोटोचित्र दो प्रकार का होता हैः
- तिर्यक फोटोचित्र (Oblique photographs)
- उध्वार्धर फोटोचित्र (Vertical photographs)

तिर्यक फोटोचित्र (Oblique photographs)

- तिर्यक फोटोचित्र प्राप्त करने के लिए वायुयान में रखे गए कैमरे को धरातल की ओर नत दिशा में स्थिर करके इस प्रकार रखा जाता है जिससे धरातलीय विवरणों के पार्श्व दृश्य दिखाई देते हैं।
- ऐसे फोटोचित्र किसी ऊँची मीनार, गगनचुम्बी ईमारत या पर्वत चोटी से खींचे फोटोचित्र जैसी दिखती है।

तिर्यक फोटोचित्र

- कैमरे को धरातल पर झुकाए गए अंशों के आधार पर तिर्यक फोटोचित्र पुनः दो उपभागों में बाँटा जाता है-
- उच्चकोण तिर्यक फोटोचित्र
- अल्पकोण तिर्यक फोटोचित्र

- उच्चकोण तिर्यक फोटोचित्र प्राप्त करने के लिए वायुयान में लगे कैमरे को केवल थोड़ा नीचे की ओर झुकाया जाता है।इससे विवरणों के पार्श्व दृश्यों के साथ साथ क्षितिज भी दिखाई देता है।
- अल्पकोण तिर्यक फोटोचित्र में क्षितिज दिखाई नहीं देता है।ऐसे चित्र प्राप्त करने लिए कैमरे को वायुयान में नीचे धरातल की ओर इतना अधिक झुका दिया जाता है कि उसमें क्षितिज का दृश्य अंकित नहीं होता है।

तिर्यक फोटोचित्र (Oblique photographs)

उध्वार्धर फोटोचित्र (Vertical photographs)

- इस प्रकार के चित्र में धरातल का प्लान –दृश्य आता है।
- आकाश में उड़ते हुए किसी पक्षी के दवारा लंबवत नीचे की ओर देखे गए दृश्य के समान होता है।
- वास्तव में, क्षैतिज उड़ान भरते हुए वायुयान में जब कैमरे को धरातल की ओर झुकाकर फोटो लिया जाता है तब ऐसे फोटोचित्र प्राप्त होते हैं।

alamy

- Thank you
- शेष अगले भाग में